prospects in deeper water of Krishna-Godavari offshore basin have been tested and oil/gas was discovered in two structures, namely, G-1 and G-2, Data available indicate good prospects in West coast.

(c) It is proposed to initiate the detailed seismic surveys in 1989 and further survey and exploratory drilling are likely to continue to VIIIth Plan and beyond. Cost estimates will, however, be known only after exploration plan is firmed up.

इलाहाबाद में टेलीफोन कनेक्शनों के लिए आवेदकों की संख्या

688. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 30 जून, 1988 की स्थिति के अनुसार इलाहाबाद में स्थायी टेलीफोन कनेक्शन प्राप्त करने के लिए कितने आवेदक थे;

(ख) इन आवेदकों को कब तक टेलीफोन कनेक्शन दे दिये जायेंगे; और

(ग) पिछले दो वर्षों में इलाहाबाद में कितने स्थायी टेलीफोन कनेक्शन प्रदान किये गये ?

संचारमंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो) : (क) 30-6-1988 की स्थिति के अनुसार टेलीफोन कनेक्शनों के लिए प्रतीक्षा सूची में 2871 आवेदकों के नाम दर्ज है।

(ख) छोटे टेलीफोन जिलों (इलाहाबाद एक छोटा जिला है) के लिए योजना उद्देश्य यह है कि सातवीं योजना अर्थात् 31-3-90 के अन्त तक 1-4-87 तक की औसतन पंजीकृत मांग को पूरा कर दिया जाए। बाकी आवेदकों को आठवी योजना अवधि के शुरू में उत्तरोत्तर टेलीफोन दे दिए जायेंगे।

(ग) पिछले दो वर्षों के दौरान 591 फोन कनेक्शन प्रदान किए गए।

कोयला खानों में नियुक्तियां

689. **श्री अजीत जोगी**: क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मध्य प्रदेश की कोयला खानों में स्थानीय लोगों की अवहेलना करके बड़ी संख्या में अन्य राज्यों के लोगों की नियुक्ति करने में की जा रही अनियमितताओं की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है; और

(ग) ऐसी नियुक्तियां करने के लिए उत्तरदायी लोगों के विरुद्ध अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

ऊर्जा मंत्रालय में कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ): (क) जी, नही। परन्तु, यह बात उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय लोक उपक्रमों में रोजगार को केवल स्थानीय जनता तक ही सीमित नहीं रखा जा सकता है। नियमों के अन्तर्गत उपक्रमों को स्थानीय रोजगार केन्द्रों के जरिए भर्ती करनी होती है। इस कार्रवाई से उपक्रमों में स्थानीय जनता को रोजगार प्राप्त करने के पर्याप्त अवसरों का सुनिश्चय हो जाता है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

सौर ऊर्जा से मंहगा ऊर्जा उत्पादन

690. **श्रीमती वीणा वर्मा :**
श्री कपिल वर्मा :

क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सौर ऊर्जा से बिजली का उत्पादन अन्य स्रोतों की तुलना में लगभग 17 गुना अधिक मंहगा होता है और इसके लिये

सामान्य बिजलीघर की अपेक्षा अधिक भूमि की जरूरत होती है तथा बिजली उत्पादन के लिए सौर ऊर्जा विश्वसनीय स्रोत नहीं है;

(ख) सातवीं पंचवर्षीय योजनावधि में सौर ऊर्जाघर देश में कहां-कहां लगाये जायेंगे तथा उन पर अनुमानित कितनी लागत आयेगी; और

(ग) सरकार सौर चूल्हे पर कितनी राज सहायता देती है तथा इनमें सुधार करने की दिशा में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जायेंगे ?

ऊर्जा मंत्री (श्री वसन्त साठे) : (क) जी नहीं। सौर ऊर्जा से विद्युत सृजन की लागत स्थान विशिष्ट, सौर विकिरण की उपलब्धता, सुलभता तथा अपनाई गई प्रौद्योगिकी जैसी अनेक बातों पर निर्भर करती है । हालांकि ऐसी विद्युत सृजन योजनाओं को स्थापित करने के लिए प्रारम्भिक पूंजीनिवेश इस समय विद्युत सृजन के परम्परागत साधनों की तुलना में बहुत अधिक है लेकिन चूंकि सौर विद्युत संयंत्रों में ईंधन की जरूरत नहीं होती इसलिए इनमें सृजित की गई विद्युत की यूनिट लागत दीर्घावधि में देश के बहुत से भागों में तुलनात्मक है । सौर विद्युत संयंत्रों के लिए भूमि की जरूरत परम्परागत कोयला विद्युत संयंत्रों की अपेक्षा अधिक हो सकती है लेकिन भवनों की छतों जैसे फालतू तथा निरर्थक स्थानों के द्वारा इसकी प्रतिपूर्ति की जा सकती है इसके अतिरिक्त पारम्परिक पन बिजली के लिए अपेक्षित बड़े डैमों तथा कोयला ऊर्जा के मामले में कोयला खानों तथा रेलवे के लिए जितने बड़े स्थान की आवश्यकता होती है उतना इसके लिए नहीं होती । भारत जैसे देश में जहां पर कि देश के अधिकांश भागों में धूप अत्यधिक होती है वहां सौर विद्युत एकक बिजली के एक विश्वसनीय स्रोत सिद्ध हो सकते हैं ।

(ख) 7वीं पंचवर्षीय योजना के लिए कोई विशेष लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं । आंध्र प्रदेश, गोवा, लक्ष्यद्वीप, मिजोरम, तमिलनाडु, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन तथा परीक्षण के प्रयोजन से सौर प्रकाशवोल्टीय प्रणालियों पर आधारित छोटे विद्युतघरों की स्थापना की गई है । हरियाणा तथा उड़ीसा में कुछ यूनिटों की स्थापना की जा रही है । 30 मेगावाट के सौर तापीय संयंत्र की स्थापना के लिए एक संभाव्यता रिपोर्ट तैयार की गई है और राजस्थान, पंजाब, गुजरात जैसी विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा इन्हें उनके राज्यों में स्थापित करने के लिए अनुरोध प्राप्त हुए हैं ।

(ग) (सौर कुकर) सौर स्टोव को खरीदने के लिए खरीददारों को 150 रु० अथवा कीमत का $33\frac{1}{3}$ प्रतिशत केन्द्रीय आर्थिक सहायता इनमें जो भी कम हो उपभोक्ताओं को दी जाती है ।

इस आर्थिक सहायता योजना के अन्तर्गत केवल अनुमोदित विनिर्माताओं को ही सौर कुकरों को बेचने की अनुमति है । इन सौर कुकरों का सौर ऊर्जा केन्द्र परीक्षण करता है तथा अनुमोदित करता है । इसके अतिरिक्त कोटि नियंत्रण को सुनिश्चित करने के लिए राज्य कार्यान्वयन एजेंसियां भी कभी-कभी नमूना परीक्षण करती है । इसके अतिरिक्त नई निर्माण सामग्री का उपयोग करके इसकी कोटि में सुधार, इसका भार हल्का करने तथा उत्तम प्रकार के सौर कुकर बनाने के प्रयत्न किये जा रहे है ।

देश में तेलशोधन क्षमता

691. **श्री राम नरेश यादव :**
श्री कपिल वर्मा :
श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश की पैट्रोलियम तथा कच्चे तेल के शोधन की क्षमता इसके उत्पादन के अनुरूप नहीं है;